फागुण का महीना मेरे रुकते नहीं है पांव लिरिक्स

फागुण का महीना,
मेरे रुकते नहीं है पांव,
चला रे चला रे मैं चला रे,
अपने सांवरिया के गांव।bd।

तर्ज – सावन का महीना।

श्रद्धा से जाऊंगा मैं,
करूँ ना दिखावा,
आया देखो आया मेरे,
बाबा का बुलावा,
खाटू की वो गलियां,
पीपल की ठंडी छांव,
चला रे चला रे मैं चला रे,
अपने सांवरिया के गांव।bd।

रह रह के दिल मेरा,
श्याम श्याम बोले,
नैया भी खाने लगी,
अब हिचकोले,
आन संभालो बाबा,
है टूटी फूटी नांव,
चला रे चला रे मैं चला रे,
अपने सांवरिया के गांव।bd।

आंखों के आंसुओं से,
चरण धुलाऊंगा,
दिल की ये बातें अपने,
श्याम को सुनाऊंगा,
'सागर' कहे तेरी महिमा,
फैली है चारों दिशाओ,
चला रे चला रे मैं चला रे,
अपने सांवरिया के गांव।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
फागुण का महीना,

मेरे रुकते नहीं है पांव,
चला रे चला रे मैं चला रे,
अपने सांवरिया के गांव।bd।

गायक / प्रेषक – सागर प्रिंस पानीपत।
8950936006

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com